Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.gisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2023 GISRRJ | Volume 6 | Issue 6 | ISSN : 2582-0095

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी उपलब्धि प्रेरणा के सन्दर्भ में अध्ययन

डॉ. राकेश प्रताप सिंह
निर्देशक, विभागाध्यक्ष–बी.एड., स.ब.पी.जी. कॉलेज, बदलापुर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश।

भूपेन्द्र सिंह निरंजन
शोधकर्ता, एम.एड.,नेट (शिक्षा शास्त्र), शिक्षक शिक्षा विभाग, स.ब.पी.जी., कॉलेज, बदलापुर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश।

Article Info
Volume 6, Issue 6

Page Number : 16-23

Publication Issue :
November-December-2023

Article History
Accepted : 10 Nov 2023
Published : 30 Nov 2023

सारांश– प्रस्तुत समस्या कथन के अन्तर्गत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी उपलब्धि प्रेरणा के सन्दर्भ में अध्ययन किया गया हैं। प्रस्तुत शोध समस्या में शोधकर्ता द्वारा सर्वेक्षण अध्ययन का प्रयोग किया है। प्रस्तुत अध्ययन के लिये अध्ययनकर्ता द्वारा शोध समष्टि के अन्तर्गत जिला जौनपुर में संचालित समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्शो के चयन के लिये यादृच्छिक न्यादर्शन प्रणाली को अपनाया गया। जिसमें अध्ययन समष्टि के अन्तर्गत जिला जौनपुर में संचालित समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में से यादृच्छिक न्यादर्शन प्रविधि के माध्यम से चयनित पॉच उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को चयनित किया गया है। अध्ययनकर्ता द्वारा अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण के रूप में स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि को मापने के लिए उनकी पिछली कक्षा की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांकों के प्रतिशत को सम्मिलित किया गया है। अध्ययनकर्ता ने अपने शोध अध्ययन की परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु क्रान्तिक अनुपात परीक्षण एवं सहसम्बन्ध गुणांक आघूर्ण सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि– माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि से कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है।

की–वर्ड – माध्यमिक स्तर, छात्र–छात्राएँ, शैक्षिक उपलब्धि, उपलब्धि प्रेरणा, क्रान्तिक अनुपात, सहसम्बन्ध गुणांक।

प्रस्तावना– साधारण शब्दो में शैक्षिक उपलब्धि, किसी विद्यार्थी, शिक्षक अथवा संस्था के अपने लघुकालिक अथवा दीर्घकालिक शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की सीमा का सार है। शिक्षा मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज के समाज में अशिक्षित व्यक्ति को प्रायः उपेक्षा की दृष्टि से देखा जाता है। अतः माता–पिता अपने पाल्यों को शिक्षित करना अपना परम कर्तव्य समझते है। शिक्षा के माध्यम से ही बालक की प्रवृत्तियों का शोधन और परिष्करण होता है, जिससे उसका व्यवहार संतुलित एवं नियंत्रित होता है। व्यक्ति के आदतों के निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और बालक जैसी शिक्षा पाता है, उसी के अनुरूप उसमें आदतों का निर्माण होता है। बालक को समाज के लिये उपयोगी बनाने के लिये शिक्षा की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिये शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर उचित शिक्षा एवं मार्गदर्शन प्राप्त होना बहुत आवश्यक है, अन्यथा उचित शिक्षा और मार्गदर्शन के अभाव में छात्र योग्य होने के बावजूद भी ज्ञान के अभाव में वांछित

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

उपलब्धि हासिल कर पाने में असर्मथ होते है। छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव भी पड़ता है और जो भी छात्र मानसिक रूप से स्वस्थ होता है, वह अस्वस्थ बालकों की अपेक्षा शीघ्र सीखने में सफल होता है।

शैक्षिक उपलब्धि एक सीमा है, जो छात्र के द्वारा अपने लघु अथवा दीर्घकालिक शैक्षिक जीवन में शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने से सम्बन्धित है। इसे आम तौर पर परीक्षाओं अथवा निरंतर आकलन द्वारा मापा या मूल्यांकित किया जाता है लेकिन फिर किन पहलूओं पर इसका मापन या आंकलन मुख्य रूप से निर्भर है, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है। इस पर कोई सामान्य सहमति नहीं है – प्रक्रियात्मक ज्ञान जैसे कि कौशल या घोषणात्मक जानकारी जैसे कि तथ्य। जब बच्चे कक्षा पहली में प्रवेश लेते है तो उनके अर्ध–संरचित घर सीखने के वातावरण में अधिक संरचित शैक्षिक वातावरण से संक्रमित होते है। प्रारंभिक शैक्षिणिक उपलब्धि बाद में शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाती है। छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अभिभावकों की प्रेरणा एवं उनका शैक्षिणिक समाजीकरण छात्रों के कौशल, व्यवहार और स्कूल के प्रति दृष्टिकोण को आकार देकर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करता है। उच्च शिक्षित माता–पिता के पास सीखने के माहौल को और अधिक उत्तेजित करने की प्रवृत्ति होती है। इसके साथ ही इनकी अभिप्रेरण की गुणवत्ता छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन एवं शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है।

प्रत्येक छात्र एक मुख्य उद्देश्य, उपलब्धि की प्राप्ति के लिये विद्यालय जाता है। छात्र की उपलब्धि ज्ञानात्मक, अभिप्रेरणात्मक तथा पर्यावरणी करकों से प्रभावित होती है। कभी–कभी समान क्षमताओं एवं विभिन्न पर्यावरण वाले छात्रों की उपलब्धि में अन्तर पाया जाता है तथा यह अंतर उनकी अधिगम के लिये दृढ़ निश्चय पर निर्भर करती है। इस प्रकार बालकों का शैक्षिक निष्पादन उनके अभिप्रेरणा से प्रभावित होता है। उपलब्धि अभिप्रेरणा, किसी बालक की शैक्षिक क्रियाओं में सफलता प्राप्त करने के लिये दृढ़ निश्चय से प्रभावित होती है। उपलब्धि अभिप्रेरणा मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं – आंतरिक उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं बाह्य उपलब्धि अभिप्रेरणा। आंतरिक उपलब्धि अभिप्रेरित केवल अपने लिये, अपनी संतुष्टि के लिये सफलता की चाहत रखते हैं किंतु बाह्य उपलब्धि अभिप्रेरित व्यक्ति कुछ बाहरी कारकों जैसे इनाम, आर्थिक लाभ आदि के कारण सफलता की चाहत रखते हैं। उपलब्धि अभिप्रेरणा में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र लिंग विभिन्नता है।

समस्या कथन–

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी उपलब्धि प्रेरणा के सन्दर्भ में अध्ययन।

अध्ययन का उद्देश्य–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्ध का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी उपलब्धि प्रेरणा से सम्बन्धों का अध्ययन करना।

परिकल्पना

अध्ययन में निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि से कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध समस्या में शोधकर्ता द्वारा सर्वेक्षण अध्ययन का प्रयोग किया है।

शोध समष्टि या जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन के लिये अध्ययनकर्ता द्वारा शोध समष्टि के अन्तर्गत जिला जौनपुर में संचालित समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्शो के चयन के लिये यादृच्छिक न्यादर्शन प्रणाली को अपनाया गया। जिसमें अध्ययन समष्टि के अन्तर्गत जिला जौनपुर में संचालित समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में से यादृच्छिक न्यादर्शन प्रविधि के माध्यम से चयनित पॉच उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को चयनित किया गया है। जिनका उल्लेख तालिका क्रमांक 01 में किया गया है।

तालिका क्रमांक 01

शोध न्यादर्श के अन्तर्गत चयनित माध्यमिक विद्यालय श

क्रं	विद्यालय का नाम	चयनित विद्यार्थी संख्या

1	सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60
2	राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60
3	नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज	60
4.	सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60
5.	आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60
कुल चयनित चयनित विद्यार्थी संख्या		300

प्रयुक्त उपकरण– अध्ययनकर्ता द्वारा अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण के रूप में स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि को मापने के लिए उनकी पिछली कक्षा की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांकों के प्रतिशत को सम्मिलित किया गया है।

सांख्यिकीय विधि–अध्ययनकर्ता ने अपने शोध अध्ययन की परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु क्रान्तिक अनुपात परीक्षण एवं सहसम्बन्ध गुणांक आघूर्ण सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

सारणी संख्या – 3

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन का सांख्यिकीय विश्लेषण

क्र	विवरण	छ	ड	ैण्क्ण	ैम्ड	िटंसनम	च टंसनम	चढण05
1	सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	13.7167	3.8843	0.548	7.40941	0.000011	सार्थक
2	राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	13.3167	4.2286				
3	नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज	60	14.3333	2.8204				
4.	सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	14.25	3.9644				
5.	आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	16.4833	2.0377				

दण्ड आरेख संख्या – 3

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के सांख्यिकीय विश्लेषण का दण्ड आरेख

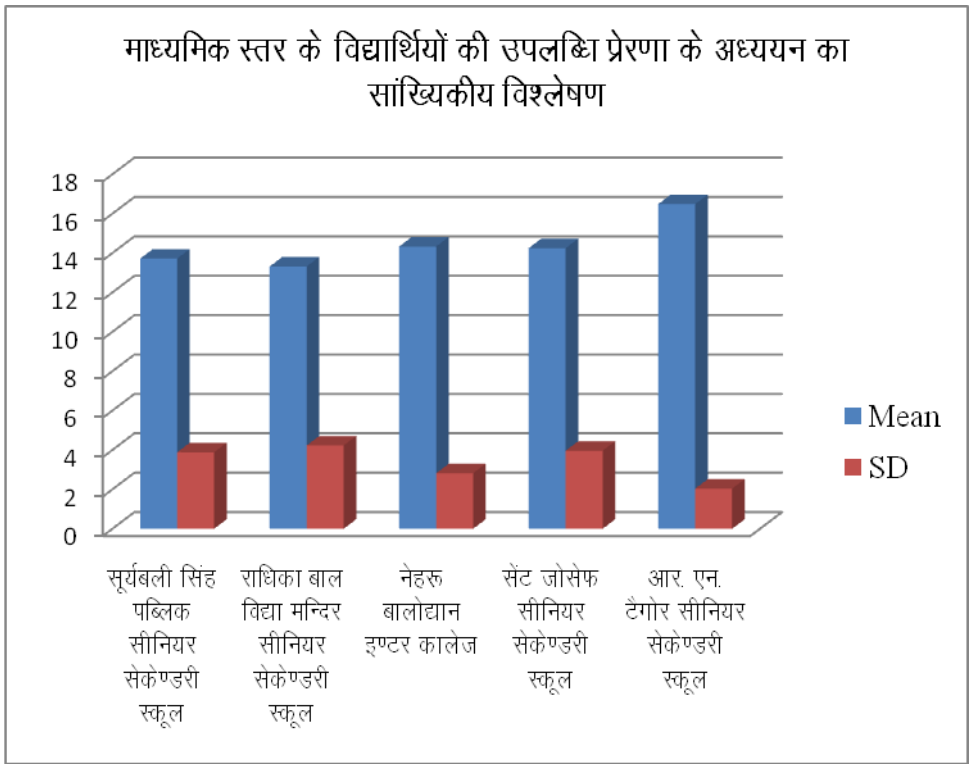

पंक्ति आरेख संख्या – 3

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के सांख्यिकीय विश्लेषण का पंक्ति आरेख

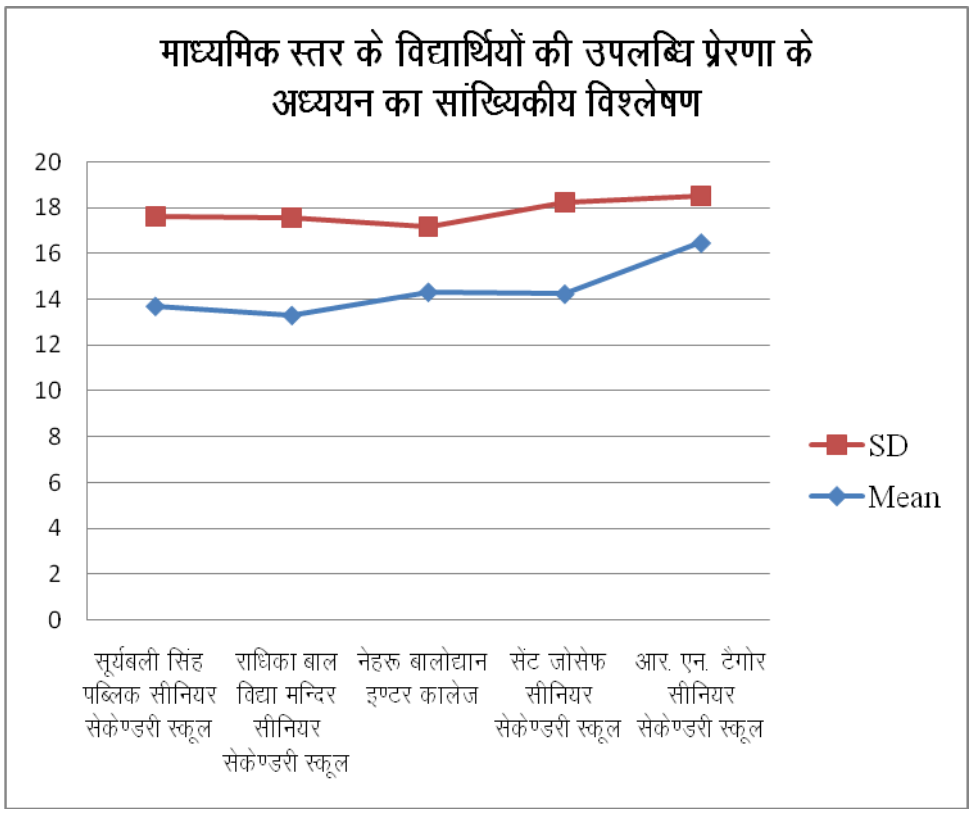

विश्लेषण क्रमांक – 1 में जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.7167 तथा मानक विचलन 3.8843 पाया गया, जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.3167 तथा मानक विचलन 4.2286, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.3333 तथा मानक विचलन 2.8204, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.25 तथा मानक विचलन 3.9644 तथा आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 16.4833 एवं मानक विचलन 2.0377 पाया गया। इस प्रकार पाया गया कि जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनतर विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्तांकों के सांख्यिकीय विश्लेषण के अन्तर्गत, आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का मध्यमान उच्चतम पाया गया, जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का मध्यमान न्यूनतम पाया गया। इसी प्रकार राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्राप्तांकों का मानक विचलन उच्चतम पाया गया जबकि नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्राप्तांकों का मानक विचलन न्यूनतम पाया गया।

सारणी संख्या – 2

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्ध के अध्ययन का सांख्यिकीय विश्लेषण

क्र	विवरण	N	M1 उपलब्धि प्रेरणा	M2 शैक्षिक उपलब्धि	Σ_1	Σ_2	Combined Mean	SEM
1	सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	13.7167	14.0333	3.8843	2.5309	13.875	0.1584
2	राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	13.3167	14.0833	4.2286	4.4428	13.7	0.3833
3	नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज	60	14.3333	13.95	2.8204	2.6	14.1416	0.1917
4.	सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	14.25	13.5667	3.9644	2.6513	13.9084	0.3417
5.	आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	16.4833	14.213	2.0377	3.471	15.3482	1.135

दण्ड आरेख संख्या – 4

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्ध के अध्ययन के सांख्यिकी विश्लेषण का दण्ड आरेख

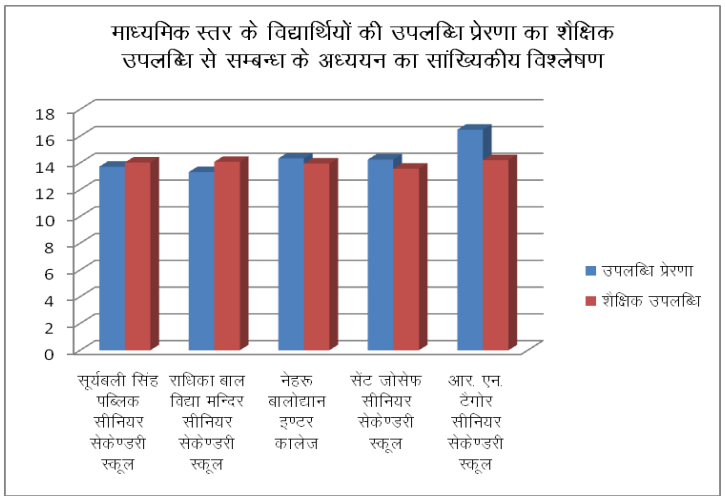

पंक्ति आरेख संख्या – 2

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्ध के अध्ययन के सांख्यिकी विश्लेषण का पंक्ति आरेख

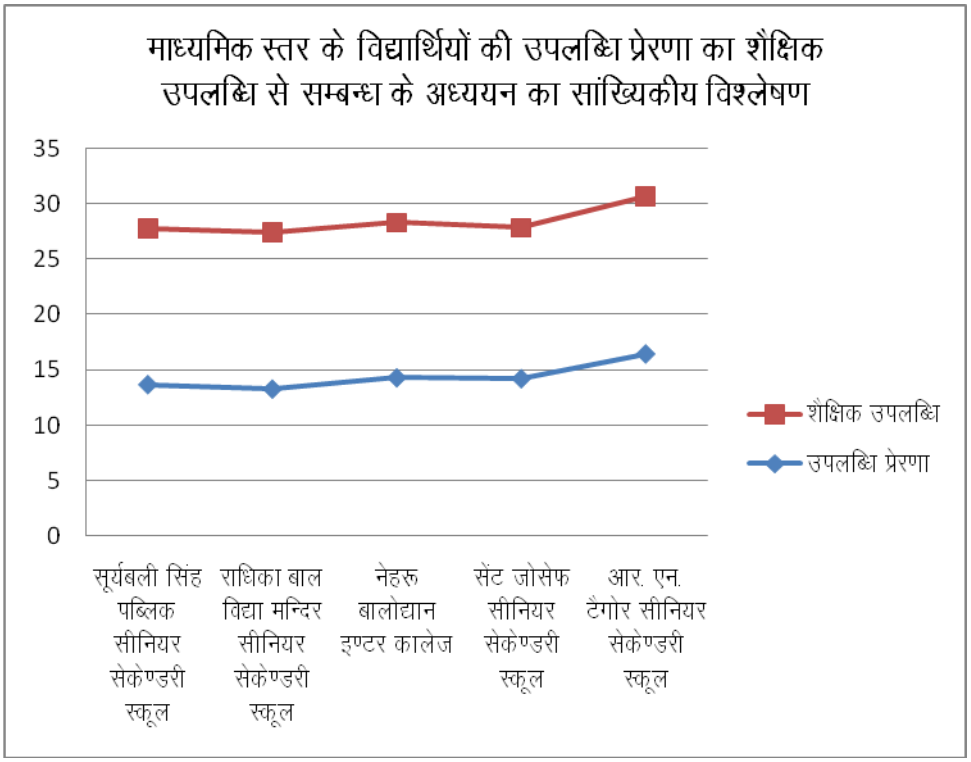

विश्लेषण क्रमांक – 2 में जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.7167 तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.0333 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 13.875 पाया गया, जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.3167 तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.0833 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 13.7 पाया गया, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.3333 तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.95 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 14.1416 पाया गया, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान

14.25 तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.5667 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 13.9084 पाया गया तथा आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 16.4833 एवं शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.213 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 15. 3482 पाया गया।

इसी प्रकार पाया गया कि जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों के विश्लेषण में माध्य मानक त्रुटि 0.1584 पायी गयी जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 0.3833, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 0.1917,सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 0.3417 एवं आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 1.135 पायी गयी।

निष्कर्ष–अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष पाये गये–

- जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनतर विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्तांकों के सांख्यिकीय विश्लेषण के अन्तर्गत, आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का मध्यमान उच्चतम पाया गया, जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का मध्यमान न्यूनतम पाया गया। इसी प्रकार राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्राप्तांकों का मानक विचलन उच्चतम पाया गया जबकि नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्राप्तांकों का मानक विचलन न्यूनतम पाया गया अतएव परिकल्पना क्रमांक 1 – माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है।
- जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों के विश्लेषण में माध्य मानक त्रुटि 0.1584 पायी गयी जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 0.3833, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 0.1917,सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 0.3417 एवं आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 1.135 पायी गयी अतएव परिकल्पना क्रमांक 2 – माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि से कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. अस्थाना, विपिन,"मनोविज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकी, आगरा–2, विनोद पुस्तक मंदिर, 1986
2. वेस्ट,जॉन,डब्ल्यू,"रिसर्च इन एजूकेशन",न्यू देहलीः प्रिटिंग हाल ऑफ इण्डिया प्रा0लि0, 1977.
3. बार–आन, आर,"द कम्पीटेन्ट मैनेजरः ए माडल फार इफेक्टिव परफारमेन्स", न्यूयार्क, जान बिली एण्ड सन्स।
4. भारत सरकार नई दिल्ली, शिक्षा की चुनौती नीति सम्बन्धी परिप्रेक्ष्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 1985
5. भारत सरकार नई दिल्ली,"प्रोग्राम ऑफ एक्सन नेशनल पॉलिसी आन एजूकेशन, नई दिल्लीः मानव संसाधन विकास मंत्रालय", 1986

6. भारत सरकार नई दिल्ली,"प्रोग्राम ऑफ एक्सन नेशनल पॉलिसी आन एजूकेशन", नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 1986,
7. भटनागर, सुरेश, "शिक्षा मनोविज्ञान", मेरठ, मेरठ पब्लिसिंग हाउस, 1991
8. कार्लिगर, एफ,"फाउण्डेशन आफ विहैवियरल रिसर्च", न्यूयार्क, हाल्ट राइनहर्ठ एण्ड विन्सटन, 1966.
9. ललिता कुमारी. के.ए,"शिक्षा मनोविज्ञान,नई दिल्ली, 2015.
10. लाल, रमन बिहारी,"भारतीयशिक्षा और उसकी समस्याएँ",मेरठःरस्तोगी प्रकाशन 2005–2006
11. माथुर, बी. एस,"स्टडीज इन इण्डियन इन्वायरमेन्ट", आर्य बुक डिपो, नई दिल्लीः1968.
12. माथुर, एस.एस."शिक्षा मनोविज्ञान", आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर।
13. मैलिन्सन,वर्नन,"इन्ट्रोडक्शन टू दी स्टडी ऑफ कम्पेरेटिव एजूकेशन",लन्दनःविलियम हाइनिर्मेन, 1957